दैनिक
न्याय साक्षी

संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-सेहत-फीचर-खाना खजाना- राशिफल

रायगढ़,मंगलवार 24 मार्च 2020

www.nyaysakshi.com

संपादकीय

कानूनी आधार का प्रश्न

बीते दिसंबर में नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ हुई हिंसा व आगजनी में शामिल लोगों के फोटो व पते वाले होर्डिंग्स चौराहों पर लगाने का विवाद इलाहाबाद हाईकोर्ट होता हुआ सुप्रीम कोर्ट तक जा पहुंचा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए योगी सरकार से 16 मार्च तक ऐसे होर्डिंग्स हटाने को कहा था, जिसमें 57 आरोपियों के फोटो व पते दर्ज थे। हाईकोर्ट ने इसे व्यक्ति की निजता का हनन बताया था, जिससे आरोपियों की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। योगी सरकार ने इस फैसले के f यान्वयन के बजाय सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी। सुप्रीम कोर्ट की वेकेशन बेंच ने मामले की सुनवायी के दौरान योगी सरकार से पूछा कि किस कानून के तहत लखनऊ में आरोपियों के नाम-पते वाले होर्डिंग्स लगाये गये। अब तक ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, जो इस कार्रवाई की इजाजत देता हो। अदालत ने मामले को बड़ी बेंच को हस्तांतरित किया है। इसी बीच योगी सरकार की कैबिनेट ने सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के बीच एक नया अध्यादेश पारित किया है। इसके तहत सार्वजनिक व निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों से हर्जाना वसूलने का नियम बनाने का फैसला किया है। जहां एक ओर कुछ लोगों ने इस अध्यादेश का समर्थन किया है, वहीं कुछ लोगों ने इस कदम को असंवैधानिक बताया है। वे लोग इसे नागरिकों की निजता में दखल बताते हैं और संविधान के अनुच्छेद-21 का उल्लंघन कहते हैं। ऐसे में सवाल उठाये जा रहे हैं कि जब इस मामले में सुप्रीम कोर्ट सुनवाई कर रही है तो अध्यादेश लाने का औचित्य क्या है और उसकी वैधानिकता क्या है। सत्ता पक्ष की ओर से कहा जा रहा है कि सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि किस कानून के तहत कार्रवाई हुई, इसीलिए कानून लाया जा रहा है। सरकार अध्यादेश को अमल में लाने वाले नियम बना रही है। कानून के जानकार सवाल उठा रहे हैं कि क्या किसी अध्यादेश के तहत ऐसे कदम उठाये जा सकते हैं, जिनसे संविधान के प्रावधानों का उल्लंघन होता हो ऐसे में किसी व्यक्ति की निजी जानकारी सार्वजनिक करके उसकी निजता व सुरक्षा को खतरे में नहीं डाला जा सकता है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने गाहे-बगाहे सरकारों को नसीहत दी है कि हिंसा के दौरान सार्वजनिक संपत्ति को क्षति पहुंचाने वाले लोगों से वसूली के दौरान कायदे-कानूनों का पालन किया जाना जरूरी है। इसके मायने यह भी हैं कि किसी पक्ष या व्यक्ति को यह महसूस न हो कि उसके साथ ज्यादती हुई है। आमतौर पर ऐसी हिंसा राजनीतिक या सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के बाद सामने आती है। ऐसे में किसी पक्ष को ऐसा महसूस भी नहीं होना चाहिए कि उसके खिलाफ वसूली की कार्रवाई किसी राजनीतिक दुराग्रह या जाति-धर्म के द्वेष के वशीभूत होकर की गई है। कमोबेश इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जब उत्तर प्रदेश की योगी सरकार को राजधर्म की याद दिलायी तो उसका मकसद शीर्ष अदालत द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुपालन की ओर ही ध्यान दिलाना था।

वाहन बनाने वाली कंपनियों ने किया उत्पादन बंद

नईदिल्ली। कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के उद्देश्य से यात्री वाहन बनाने वाली कंपनियों महिंद्रा एंड महिंद्रा, हीरो मोटोकॉर्प, होंडा मोरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया और सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया ने अपने-अपने संयंत्रों में उत्पादन बंद करने का निर्णय लिया है।

महिंद्रा ने यहां जारी एक बयान में कहा कि उसके लिए कर्मचारियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य पहली प्राथमिकता है और इसी को ध्यान में रखते हुए महाराष्ट्र में कोरोना के संक्रमण को देखते हुए नागपुर, चाकन के साथ ही मुंबई के कांदिवली स्थित संयंत्रों और कार्यालयों को अगले आदेश तक बंद कर दिया गया है। चाकन में

आज रात से उत्पादन बंद होगा जबकि अन्य संयंत्रों में उत्पादन बंद किया जा चुका है।

दोपहिया वाहन बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी हीरो मोटकॉर्प ने देश विदेश स्थित अपने सभी संयंत्रों को बंद कर दिया है। उसने भारत के साथ ही कोलंबिया और बंगलादेश स्थित विनिर्माण इकाइयों के साथ ही नीमराना के ग्लोबल पार्ट्स सेंटर में भी 31 मार्च तक उत्पादन बंद कर दिया है। दोपहिया वाहन बनाने वाली देश की दूसरी बड़ी कंपनी होंडा मटरसाइकिल एंड स्कूटर ने भी देश में स्थित अपने चारों सन्यत्रों में अगले आदेश तक उत्पादन बंद कर दिया है।

चांदी 465 रुपये चढ़कर 36,308 रुपये प्रति किलोग्राम हुई

नई दिल्ली। वायदा बाजार में चांदी का भाव सोमवार को 465 रुपये की तेजी के साथ 36,308 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया।

इस दौरान प्रतिभागियों ने विदेशों में मजबूत रुख के चलते सौदे किए। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में मई डिलीवरी के लिए चांदी 465 रुपये या 1.3 प्रतिशत बढ़कर 36,308 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। इसमें 2,847 लॉट के लिए कारोबार हुआ।

इसी तरह जुलाई डिलीवरी के लिए चांदी 567 रुपये या 1.56 प्रतिशत बढ़कर 36,825 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार

कर रही थी। इसमें 79 लॉट के लिए कारोबार हुआ। कारोबारियों ने कहा कि वैश्विक बाजारों में मजबूती के रुख के चलते घरेलू बाजार में भी प्रतिभागियों ने ताजा सौदे किए, जिसके चांदी वायदा कीमतों में तेजी आई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में, न्यूयॉर्क में चांदी 1.90 प्रतिशत बढ़कर 12.62 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

सोना 1.01 प्रतिशत चढ़ा

नयी दिल्ली। शेयर बाजारों में वैश्विक स्तर पर भारी गिरावट के बीच स्थानीय वायदा बाजार में सोना 1.01 प्रतिशत तक चढ़ कर 40,765 रुपये प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया। वैश्विक सर्राफा बाजार में सुरक्षित निवेश के विकल्प के तौर पर सोने में रुचि बढ़ने के संकेते के बीच स्थानीय बाजार में सटोरियों ने पीली धातु पर दाव बढ़ा रखा था।

मल्टी कमाडिटी एक्सचेंज में सोना अप्रैल डिलिवरी 407 रुपये (1.01 प्रतिशत) चढ़ कर 40,765 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। अप्रैल के अनुबंधों में कुल 1,464 लाट के लिए कारोबार हुआ। इसी तहर जून डिलिवरी सोने में 562 रुपये यानी 1.39 प्रतिशत की बढ़त दिखी और भाव 40,965 रुपये बोला गया। जून डिलिवरी सोने में कुल 258 लाट के सौदे हुए। विश्लेषकों के अनुसार वैश्विक बाजारों में सोने में तेजी के संकेत पर स्थानीय बाजार में सटोरियों ने इस पर दाव ऊंचा कर दिया था। इससे बाजार चढ़ गया। न्यूयार्क में सोना 0.90 प्रतिशत की तेजी के साथ प्रति औंस 1,501.50 डालर के स्तर पर पहुंच गया था। एशियायी शेयर बाजारों में आज भीषण गिरावट दिखी। मुंबई बाजार का सेंसेक्स कारोबार के दौरान एक समय 10 प्रतिशत से भी नीचे आ गया था और एक सीमा से अधिक गिरावट के कारण बाजार में कारोबार स्थगित कर दिया गया है।

नए लो पर पहुंचा रुपया, पहली बार 76 के नीचे

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के चलते हर जगह कोहराम मचा हुआ है। शेयर बाजार धड़ाम हो रहे हैं और रुपया भी लुढ़कता जा रहा है। आज रुपया नए लो पर पहुंच गया। डॉलर के मुकाबले रुपये में 95 पैसे की गिरावट देखी गई और वह 76.15 के स्तर पर देखा गया। घरेलू शेयर बाजार में भारी बिकवाली की वजह से रुपये पर दबाव देखने को मिला। रुपया 19 मार्च को पहली बार 75 के नीचे पहुंचा था। कारोबारियों का कहना है कि बाजार में इस बात को लेकर चिंता है कि कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों से इक्नमी पर बहुत खराब असर पड़ेगा।

कोरोना के बढ़ते संक्रमण और लॉकडाउन के बाद शेयर बाजार धड़ाम

» 15 मिनट में निवेशकों के 8 लाख करोड़ डूबे

मुंबई। कोरोना वायरस 'कोविड-19' के बढ़ते संक्रमण और देश के विभिन्न राज्यों में लॉकडाउन के कारण घरेलू शेयर बाजारों में आज जबरदस्त बिकवाली देखी गई और बीएसई का सेंसेक्स खुलते ही 2700 अंक से अधिक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 800 अंक से अधिक टूट गया।

बाजार खुलने के बाद 15 मिनट के कारोबार में निवेशकों के 8 लाख करोड़ रुपए डूब गए। बाजार खुलते ही 150 शेयर ने लोअर सर्किट को हिट किया, जबकि 340 शेयर अपने 52

सप्ताह के न्यूनतम स्तर पर ट्रेड कर रहा है।

चौतरफा बिकवाली के बीच सेंसेक्स 2307.16 अंक का गोता लगाकर 27,608.80 अंक पर खुला और 27,197.81 अंक तक उतर गया। खबर लिखे जाते समय यह करीब आठ प्रतिशत की गिरावट में 27,535.61 अंक पर था। निफ्टी 799.75 अंक टूटकर 7945.70 अंक पर खुला और 7941.65 अंक तक उतरने के बाद खबर लिखे जाते समय यह सात प्रतिशत गिरकर 8129.90 अंक पर था। यह हफ्ता शेयर बाजार के लिए बेहद अहम रहने वाला है। आज से देश के ज्यादातर शहरों में लॉकडाउन की स्थिति है। ट्रेन, बस, पब्लिक ट्रांसपोर्ट और मेट्रो जैसी तमाम सुविधाएं बंद हैं। यहां तक की शेयर बाजार भी आज घर से ही चलेगा। यह पहली बार होगा जब ब्रोकर निवेशक की जगह घर से उनके बदले निवेश करेंगे। उनकी कोशिश यही है कि घर से काम करने का असर ट्रेड वॉल्यूम पर ना हो।

कोहली दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज : चंद्रपॉल

मुंबई। वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज शिवनारायण चंद्रपॉल ने कहा है कि भारतीय कप्तान विराट कोहली इस समय दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं और उनके पसंदीदा भी।

चंद्रपॉल कुछ दिन पहले भारत में थे, जहां वह रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज में भाग ले रहे थे। लेकिन कोरोनावायरस के कारण इस सीरीज को स्थगित कर दिया गया है। चंद्रपॉल ने कहा, निश्चित रूप से विराट कोहली है। वह अपने खेल के सभी पहलुओं पर काम कर रहे हैं और परिणाम भी देखने को मिल रहा है। वह अपनी फिटनेस और स्किल्स पर कड़ी मेहनत कर रहे है। आप उसे कड़ी मेहनत करते हुए देखते हैं और वह उन लोगों में से एक है जो हमेशा अच्छा करना चाहता है। उन्होंने इसे साबित भी किया है। इसके लिए आपको उनका श्रेय

देना होगा। इतने लंबे समय तक अपने खेल में शीर्ष पर बने रहना आसान नहीं है। वह अपने काम में लग गए और परिणाम सबके सामने है। चंद्रपॉल ने इस साल अक्टूबर-नवंबर में आस्ट्रेलिया में होने वाले टी-20 विश्व कप में वेस्टइंडीज की संभावनाओं को लेकर कहा, वेस्टइंडीज के पास हमेशा से छोटे फॉर्मेट के खिलाड़ी रहे हैं।

कोरोना महामारी बढ़ने के साथ ही एशियाई बाजारों में भारी गिरावट

हांगकांग। एशियाई बाजारों सोमवार को शुरुआती कारोबार के दौरान भारी गिरावट हुई। दुनिया भर में आर्थिक राहत पैकेज की कवायद भी बाजार की धारणा को सुधार नहीं सकी। अमेरिका में खरबों डॉलर के आपातकालीन राहत पैकेज को सासंदों की मंजूरी नहीं मिलने से बाजार में नकारात्मक धारणा को बल मिला। कोरोना वायरस से दुनिया भर में मौत का आंकड़ा 14,300 से अधिक हो गया है और करीब एक अरब लोग अपने घरों में कैद हैं। आवश्यक सेवाओं को छोड़कर सभी व्यवसाय बंद हैं और भारी मंदी की आशंका गहरा रही है। न्यूजीलैंड में चार सप्ताह के लिए बंदी की घोषणा से वेलिंगटन ने 9.3 प्रतिशत का नुकसान उठाया। हांगकांग में हैंग सेंग सूचकाकं 3.7 फीसदी, सिडनी छह फीसदी, शंघाई 2.5 फीसदी और ताइवान 2.8 फीसदी गिरा।

आज का राशिफल

मेषः आज आपकी राशि पर द्वादश भाव में चंद्रमा तथा दशम भाव में शनि आ जाएंगे।

वृषभः आपकी राशि का स्वामी शु मित्र घर में है। नवम भाव में मंगल विराजमान धन भाव को शुभ दृष्टि से देख रहा है।

मिथुनः नवम भाव में चंद्रमा और राशि से सप्तम भाव में धनुः राशि का बृहस्पति आज आपको राज्य से सम्मान और सांसारिक प्रतिष्ठा से अभिभूत करेगा।

कर्कः आपकी राशि पर धनु का बृहस्पति तथा नवम भाव में चंद्रमा उत्तम संपत्ति और बहुत दिनों से रुके धन की प्राप्ति कराएगा।

सिंहः आज आप अपने निकटवर्ती व अन्य लोगों की भावनाओं को पहचाने और उनके अनुसार चलने का प्रयास करें तो आपको आत्म संतोष होगा।

कन्याः आपकी राशि से षष्ठम चंद्रमा संचार कर रहा है, शनि आज चतुर्थ भाव में इष्ट मित्रों से निर्मूल विवाद तथा व्यर्थ व्यय कारक है।

तुलाः आज का दिन आपके लिए महानपुरुषों से मेल जोल कारक है। अकस्मात अकल्पित उलट फेर में आपको लाभ मिल सकता है।

वृश्चिकः आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। बिजनस के सिलसिले में किसी की सलाह लेने की आवश्यकता पड़ सकती है।

धनुः आज का दिन मिश्रित फलकारक है। आप अपनी पुरानी देनदारियों से मुक्त हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में भी आपके सुझावों का स्वागत होगा।

मकरः आज आपकी राशि से तृतीय चंद्रमा पास और दूर की यात्रा तथा राज्य विजयकारक है।

कुंभः राशि का स्वामी शनि द्वादश राज्य में राजनीतिक क्षेत्र में सफलताकारक है।

मीनः आज आपकी अपनी संपत्ति में वृद्धि होगी। आपको ननिहाल से भी मान सम्मान मिलने की संभावना है।

अगर सलमान के ब्रेसलेट का इंस्टाग्राम पेज होता तो उसके फॉलोअर्स भी मुझसे ज्यादा होतेः टायगर

टाइगर श्रॉफ के फिल्म इंडस्ट्री में आए महज 6 साल हुए हैं लेकिन उनके खाते में कई बड़ी सफल फिल्में दर्ज हैं। इतना ही नहीं उनकी काफी बड़ी फैन फॉलोइंग भी है।

अगर टाइगर श्रॉफ की ऐक्शन फिल्म है तो आप थिअटर में उनके फैंस का जोश देखने लायक होता है। यह बात सबको पता है कि टाइगर रितिक रोशन के बहुत बड़े फैन हैं। अब सुपरस्टार सलमान खान के बारे में भी उन्होंने कुछ कहा है। बीते साल टाइगर श्रॉफ ने ब्लॉकबस्टर फिल्म वॉर दी थी। इसमें वह रितिक रोशन के साथ थे। इस साल उनकी फिल्म बागी 3 रिलीज हुई है। हालांकि फिल्म को बागी 2 जैसा

रिस्पॉन्स तो नहीं मिला लेकिन उनके फैंस को यह फिल्म काफी पसंद आई। कोरोना वायरस फैलने का असर भी फिल्म पर दिखा और यह 100 करोड़ तक भी नहीं पहुंच पाई। बागी 3 की रिलीज के पहले उन्होंने ने एक इंटरव्यू दिया था जो अब वायरल हो रहा है। इसमें टाइगर सलमान खान के स्टारडम पर बात कर रहे हैं। टाइगर सलमान खान को बॉलिवुड का शेर बताते हैं। बॉलिवुड हंगामा के इस इंटरव्यू में टाइगर श्रॉफ कहते हैं कि अगर सलमान के ब्रेसलेट का भी इंस्टाग्राम पेज बन जाए तो इसके फॉलोअर्स भी टाइगर से ज्यादा हो जाएंगे। इसे स्टारडम कहते हैं।

घर की छत पर वर्कआउट करने पर मजबूर हुईं कटरीना

कोरोनावायरस ने लोगों को भाग दौड़ की लाइफ से चुटी देते हुए उन्हें घर पर रहने केलिए मजबूर कर दिया है। आम लोगों के साथ-साथ अब फिल्म सितारे भी काम से छुट्टियां लेकर घर पर आराम फरमा रहे हैं, लेकिन जिसे अपनी सेहत से प्यार है वो घर पर भी आराम नहीं कर रहीं।

जी हाँ यहाँ हम बात कर रहे हैं बॉलीवुड की सबसे हाई पैड अभिनेत्री कैटरीना कैफ की। कोरोनावायरस के चलते जिम बंद हो चुके हैं इसलिए कैटरीना कैफ ने अपने घर की छत पर ही एक्सरसाइज करनी शुरू कर दी है और किसी भी कीमत पर अपने वर्कआउट रूटीन को वो छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। इस तरह कैटरीना कैफ का यह एक्सरसाइज वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।

बॉलीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ ने अपने इस वीडियो के साथ लिखा है, घर पर वर्कआउट...जिम नहीं जा सकती इसलिए वह वर्कआउट शेयर कर रही हूं जो हम घर पर कर सकते हैं। सुरक्षित रहें और हो सके तो एक्टिव भी रहें।

ब्रेकफास्ट में पालक मटर कचौड़ी बनाये

सामग्री :-

मैदा- 11/2 कप, सूजी- 1 टीस्पून, पालक प्यूरी- 1/4 कप, अजवाइन- 1/4 टीस्पून, घी- आवश्यकतानुसार, नमक- स्वादानुसार, पानी- आवश्यकतानुसार

मटर- 1 कप, हींग- चुटकीभर, लाल मिर्च पाउडर- 1/2 टीस्पून, अमचूर पाउडर- 1/2 टीस्पून, सौंफ- 1/2 टीस्पून (दरदरा कूटा), गरम मसाला पाउडर- 1/4 टीस्पून, नमक- स्वादानुसार, तेल- आवश्यकतानुसार

विधि :-

एक बाउल में मैदा, सूजी, पालक की प्यूरी, नमक, अजवाइन और पांच टीस्पून घी डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें फिर इसमें आवश्यकतानुसार पानी डालकर सख्त आटा गूंथ लें।

इसके बाद गीले सूती कपड़े से ढककर इसे 10-15 मिनट छोड़ दें। अब फिलिंग बनाने के लिए सबसे पहले मटर को ग्राइंडर में दरदरा पीस लें। कढ़ाही गरम करें और उसमें एक टीस्पून तेल डालें। जब

तेल गरम हो जाए तब इसमें हींग और पीसा हुआ मटर डालकर तेज आंच पर 4-5 मिनट तक भून लें। फिर मटर को एक बाउल में निकाल लें। जब मटर ठंडा हो जाए तो उसमें नमक, लाल मिर्च पाउडर, सौंफ, अमचूर पाउडर और गरम मसाला पाउडर डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें।

अब गूंथे हुए मैदे से छोटी-छोटी लोई बना लें और उसमें मटर वाला मिक्सचर भरकर कचौरी बेल लें। कढ़ाही में तेल गरम करे। जब तेल गरम हो जाए तब इसमें कचौरियां डालकर गोल्डन ब्राउन होने तक डीप फ्राई कर लें। कचौरियों को सर्विंग प्लेट में निकालें और पुदीना या धनिया की चटनी के साथ गरमा-गरम सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 70

बाएं से दाएं

1. बात, घटना, मामला, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मपुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे

1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए, प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक डंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

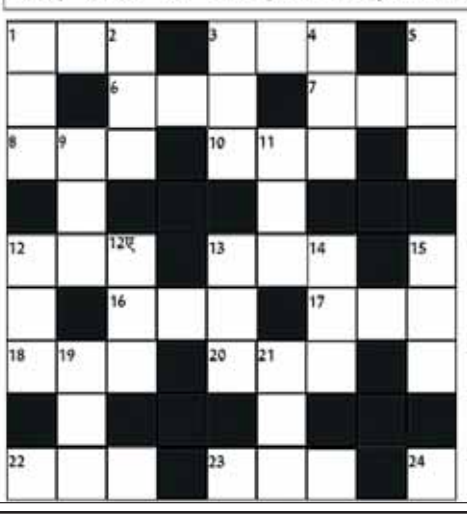

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 69 का हल

प	सं	द	■	सिं	हा	स	न	■
ख	■	म	ज	दू	र	■	का	म
वा	द	क	■	र	■	सं	ब	ल
ड़	■	ल	ज्ञा	■	म	स्का	■	य
■	बा	■	■	बि	हा	र	■	■
सु	धा	क	र	■	न	■	■	औ
रं	■	म	■	कि	ता	ब	■	स
ग	■	अ	र	सा	■	हु	ज्ज	त
■	श	क्ल	■	न	मि	त	■	न

सू-दोकू- 70

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.69 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6